BIHAR FOUNDATION
Bonding • Branding • Business

बिहार सरकार

Phone: +91 612 2547371
E mail: pro@biharfoundation.in
https://biharfoundation.bihar.gov.in/

बिहार आज

(बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति)

दिनांक – 7.09.2020

6th Floor, Indira Bhawan, RCS Path, Patna - 800001

सर्वे एजेन्सी चयन के लिए सहकारिता विभाग ने टेंडर किया

सब्जी उत्पादकों का होगा सर्वे, डाटाबेस भी बनेगा

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

सब्जी के खुदरा विक्रेताओं को संगठित करने के साथ सरकार सब्जी उत्पादकों को भी हर सुविधा देने की तैयार कर रही है। इसके लिए राज्य के सब्जी उत्पादकों का डाटाबेस तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए सर्वे कराया जाएगा। सर्वे एजेन्सी चयन के लिए सहकारिता विभाग ने टेंडर कर दिया है।

एजेन्सी चयन के बाद सर्वे का काम तेजी से शुरू होगा। सर्वे करने वाली एजेन्सी को हर किसान की पूरी कुंडली का पता करना होगा। किसान कितने रकबे में खेती करता है, कितने प्रकार की सब्जी की खेती करता है, कितना उत्पादन होता है, रोज की खपत क्या है, बीज कहां से लाता है। साथ ही लागत पूंजी की व्यवस्था कैसे करता है। बेचने के लिए सीधे मंडी में जाता है कि बिचौलिये के हाथों उत्पाद देता है। पूरी जानकारी सर्वेकर्ता किसान से लेगा। इस सर्वे से किसानों की मूल समस्या का पता लगेगा और फिर उसके अनुसार उनकी समस्या दूर करने का प्रयास होगा। केसीसी देने का काम तो शुरू हो गया। बाजार की व्यवस्था भी होगी। सहकारिता सचिव वंदना प्रेयसी ने सब्जी उत्पादकों को लाभ देने के लिए कम्फेड की तर्ज पर वेजफेड का गठन किया है। विभाग के संयुक्त सचिव आनंद शर्मा को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। सर्वे के बाद सभी किसानों को वेजफेड की समितियों से जोड़ दिया जाएगा।

तैयारी

- सर्वे एजेन्सी को किसान की पूरी कुंडली का पता लगाना होगा
- सर्वे के बाद किसानों को वेजफेड की समितियों से जोड़ा जाएगा

वेजफेड की वर्तमान स्थिति

60 टन सब्जी की रोज हो रही खरीद	10 जिलों में अभी बनी हैं समितियां	95 समितियां बनी हैं पटना में
62 समितियां हैं तिरहुत में	20 हजार किसान जुड़े हैं	

'सहकारी से तरकारी' वार्ता भी शुरू

वेजफेड के एमडी आनंद शर्मा ने किसानों को समितियों से जोड़ने के लिए 'सहकारी से तरकारी' वार्ता भी शुरू की है। इस अभियान में अधिकारी रोज किसानों से बात कर उन्हें समिति से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। अभी यह योजना दस जिलों में ही चल रही है। वहां के भी लगभग 20 हजार किसान ही इससे जुड़े हैं। इन किसानों के लगभग 60 टन सब्जी रोज वेजफेड से जुड़ीं समितियां खरीदती हैं और ग्राहकों को बेचती हैं। सर्वे हो जाने पर राज्य के सब्जी उत्पादक इससे जुड़ जाएंगे और उनको सरकार सुविधा देगी।

नई शिक्षा नीति पर सभी राज्यपाल आज करेंगे विमर्श

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

चर्चा

- उच्च शिक्षा के विकास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भूमिका पर होगा विमर्श
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री भी कॉन्फ्रेंस को करेंगे सम्बोधित

देश की उच्च शिक्षा के विकास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की भूमिका पर सोमवार को गवनर्स कॉन्फ्रेंस होगा। सुबह 10 बजे इस कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन होगा, जिसे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक संबोधित करेंगे।

शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कॉन्फ्रेंस से बिहार का राजभवन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़ेगा। राज्यपाल फागू चौहान, शिक्षा मंत्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा इस वीसी से जुड़ेंगे। इनके साथ राजभवन के प्रधान सचिव चैतन्य प्रसाद, शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार, शिक्षा विभाग के विशेष सचिव सतीश चन्द्र झा समेत राजभवन के अन्य अधिकारी तो मौजूद रहेंगे ही, बिहार के सभी परंपरागत विश्वविद्यालयों के कुलपति भी इस कॉन्फ्रेंस से से जुड़ेंगे। 11.30 बजे से आयोजित दूसरे सत्र में राज्यपालों, राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के साथ विचारों के आदान-प्रदान होंगे।

2035 तक जीईआर 50 फीसदी करना बिहार की बड़ी चुनौती : उच्चशिक्षा में पलायन रोकना, अच्छे और पर्याप्त संस्थानों की उपलब्धता के साथ ही पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने की चुनौती है। खासतौर से बिहार जैसे आर्थिक रूप से पिछड़े राज्यों के लिए उच्चशिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त निवेश की जरूरत है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुताबिक 2035 तक उच्चशिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 50 फीसदी करना है। बिहार जैसे राज्यों के लिए यह बड़ी चुनौती है, क्योंकि अभी बिहार का जीईआर 13 फीसदी है। जिसे तीन गुना करने पर 50 फीसदी लक्ष्य की प्राप्ति होगी।

इस बाबत पूछे जाने पर शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने कहा कि बिहार में प्रति लाख छात्र-नौजवानों पर 7 कॉलेज हैं, जबकि देश के दूसरे राज्यों में यह औसत 35 से 50 तक है। जीईआर के लक्ष्य को तीन गुना करने के लिए कॉलेजों की संख्या भी उसी अनुपात में बढ़ाने की जरूरत है। इसलिए जरूरी है कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े राज्यों में केन्द्र अधिक निवेश करे। मेरी व्यक्तिगत राय है कि सरकारी संस्थानों की संख्या और गुणवत्ता बढ़ाने के साथ ही निजी संस्थानों को भी अधिकाधिक संख्या में कार्य करने का अवसर देना होगा।

हिन्दुस्तान । पृष्ठ स० – 2

विश्व हिंदी काव्योत्सव में गूंजे बिहारी लोकगीत

पटना. विश्व हिंदी परिषद की ओर से आयोजित काव्योत्सव में बिहार की

प्रसिद्ध लोक गायिका नीतू कुमारी नवगीत ने बिहार के पारंपरिक लोकगीतों और स्वरचित गीतों की प्रस्तुति से श्रोताओं का मन मोह लिया. एक साथ कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित इस कार्यक्रम में नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि लोकगीतों का संसार काफी विस्तृत है. उन्होंने वरिष्ठ कवि कमलेश द्विवेदी द्वारा रचित गणेश वंदना गणपति तुम्हारी महिमा सबसे न्यारी से कार्यक्रम की शुरुआत की. इसके साथ ही गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस के पुष्प वाटिका प्रसंग पर आधारित जीत देख कर रामजी को जनक नंदिनी बाग में बस खड़ी की खड़ी रह गयी, राम देखे सिया को सिया राम को चारो अखियां लड़ी की लड़ी रह गयी गाया...जिसे श्रोताओं ने खूब पसंद किया. विश्व हिंदी परिषद के इस कार्यक्रम में नीतू नवगीत ने स्वरचित देवी गीत पिपरा पतईया उड़ी जाला मंदिर में, कईसे हम पूजी हो गाकर श्रोताओं को भाव विभोर किया. सांस्कृतिक कार्यक्रम में रविंद्र मिश्रा रवीश ने तबला पर, सुजीत कुमार ने हारमोनियम पर और पिंटू कुमार ने पैड पर संगत किया.

प्रभात खबर । पृष्ठ स० – 12

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

क्र०स०	विदेश अवस्थित चैप्टर
1	कतर
2	जापान
3	यू०ए०ई०
4	बहरीन
5	कनाडा
6	ऑस्ट्रेलिया
7	दक्षिण कोरिया
8	हॉग कॉग
9	सिंगापुर
10	न्यूजीलैंड
11	यू०एस०ए०
12	सऊदी अरब

क्र०स०	देश अवस्थित चैप्टर
1	मुम्बई
2	चेन्नई
3	कोलकाता
4	हैदराबाद
5	नागपुर
6	वाराणसी
7	पुणे
8	गुजरात
9	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउंडेशन से जुड़ें

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है. वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें:- https://biharfoundation.bihar.gov.in.